==========

AVYAKT MURLI

16 / 05 / 77

==========

16-05-77 ओम शान्ति अव्यक्त बापदादा मधुबन

माया क वार का सामना करन क लिए दो शक्तियों की आवश्यकता

मास्टर नॉलजफुल, सदा सक्ससफुल, सदा हर्षित बनान वाल अव्यक्त बाप-दादा, मंजिल क समीप पहुँची हुई आत्माओं प्रति बाबा बोल

बापदादा सभी बच्चों क पुरूषार्थ क रफ्तार की रिजल्ट दख रह थ। नए अथवा पुरान दोनों की पुरूषार्थ की रफ्तार दखत हुए, बाप को बच्चों पर अति स्नह भी हुआ और साथ-साथ रहम भी हुआ। स्नह क्यों हुआ? दखा कि छोट बड़ परिचय मिलत परिचय क साथ अपन यथा शक्ति प्राप्ति क आधार पर पास्ट लाईफ (Past Life;गत जीवन) और वर्तमान ब्राह्मण लाइफ, दोनों में महान अन्तर अनुभव करत भटकत हुए का सहारा दिखाई दत हुए, निश्चय बुद्धि बन, एक दो क सहयोग स एक दो क अनुभव क आधार स मंजिल की ओर चल पड़ हैं। खुशी, शक्ति, शान्ति वा सुख की अनुभूति में कोई लोक-लाज़ की परवाह न करत हुए, अलौकिक जीवन का अनुभव कदम को आग बढ़ाता जा रहा ह। प्राप्ति क आग कुछ छोड़ रह हैं वा त्याग कर रह हैं, कोई सुध-बुध नहीं रहती। बाप मिला सब कुछ मिला, उस खुमारी वा नश में त्याग भी, त्याग नहीं लगा, याद और सवा में तन-

मन-धन से लग गए। पहला नशा, पहली खुशी, पहला उमंग, उत्साह, ‘न्यारा और अति प्यारा’ अनुभव किया। यह त्याग और आदिकाल का नशा, त्रिकालदर्शी मास्टर ज्ञान सागर, मास्टर सर्वशक्तिवान की स्थिति का पहला जोश जिसमें कुछ होश नहीं, पुरानी दुनिया का सब कुछ तुच्छ अनुभव हुआ, असार अनुभव हुआ। ऐसी हरेक की पहली स्टेज देखते हुए अति स्नेह हुआ कि हरेक ने बाप के प्रति कितना त्याग और लगन से आगे बढ़ने का पुरूषार्थ किया है। ऐसे त्यागमूर्त, ज्ञान मूर्त, निश्चय बुद्धि बच्चों के ऊपर बाप-दादा भी अपने सर्व सम्पत्ति सहित कुर्बान हुए। जैसे बच्चों ने संकल्प किया, ‘बाबा! हम आपके हैं।’ वैसे बाप भी रिटर्न में (बदले में) यही कहते कि, ‘जो बाप का सो आपका’, ऐसे अधिकारी भी बने, लेकिन आगे क्या होता है? चलते-चलते जब महावीर अर्थात् रूहानी योद्धा बन माया को चैलेंज (चेतावनी) करते हैं, विजयी बनने का अधिकार भी समझते हैं लेकिन माया के अनेक प्रकार के वार को सामना करने के लिए दो बातों की कमी हो जाती है। वह दो बातें कौन सी हैं? ‘एक सामना करने की शक्ति की कमी, दूसरा परखने और निर्णय करने की शक्ति की कमी।’ इन कमियों के कारण माया के अनेक प्रकार के वार से कब हार, कब जीत होने से कब जोश, कब होश में आ जाते हैं। सामना करने की शक्ति न होने का कारण? बाप को सदा साथी बनाना नहीं आता है, साथ लेने का तरीका नहीं आता। सहज तरीका है- ‘अधिकारीपन की स्थिति।’ इसलिए कमज़ोर देखते हुए माया अपना वार कर लेती है।

परखन की शक्ति न होन का कारण? बुद्धि की एकाग्रता नहीं ह। व्यर्थ संकल्प वा अशुद्ध संकल्पों की हलचल ह। एक में सर्व रस लय की एकरस स्थिति नहीं। अनेक रस में बुद्धि और स्थिति डगमग होती ह। इस कारण परखन की शक्ति कम हो जाती ह। और न परखन का कारण माया अपना ग्राहक बना देती ह। यह माया ह,यह भी पहचान नहीं सकत। यह रांग (गलत) ह,यह भी जान नहीं सकत। और ही माया का ग्राहक अथवा माया का साथी बन, बाप को वा निमित्त बनी हुई आत्माओं को भी अपनी समझदारी पेश करत हैं कि - यह तो होता ही ह,जब तक सम्पूर्ण बनें तक यह बातें तो होंगी। ऐस कई प्रकार का विचित्र प्वाइंटस (संकल्प) माया का तरफ स वकील बनकर बाप का सामन वा निमित्त बन हुए का सामन रखत हैं। क्योंकि माया का साथी बनन का कारण आपोजीशन पार्टी (Oppossition Party;विरूद्ध दल) का बन जात हैं। मायाजीत बनन की पोजीशन (Position;स्थिति) छोड़ देत हैं। कारण? परखन की शक्ति कम ह।

ऐस वन्डरफुल (Wonderful;आश्चर्यजनक) और रमणीक कैस बाप-दादा का सामन बहुत आत हैं। प्वाईन्टस भी बड़ी अच्छी-अच्छी होती हैं। इनवेन्शन (Invention;आविष्कार) भी बहुत नई-नई करत हैं, क्योंकि बैकबोन (Backbone) माया होती ह। जब बच्चें की ऐसी स्थिति देखत हैं तो रहम आता ह,बाप सिखात हैं और बच्च छोटी सी गलती का कारण क्या करत रहत हैं? छोटी सी गलती ह,श्रीमत में मनमत मिक्स (Mix;मिलाना) करना। उसका आधार क्या ह? 'अलबेलापन और आलस्य।' अनेक प्रकार का

माया क आकर्षण क पीछ आकर्षित होना। इसीलिए जो पहला उमंग और उत्साह अनुभव करत हैं, वह चलत चलत मायाजीत बनन की सम्पूर्ण शक्ति न होन क कारण कोई पुरूषार्थ हीन हो जात हैं। क्या करें, कब तक करें, यह तो पता ही नहीं था? ऐस व्यर्थ संकल्पों क चक्कर में आ जात हैं। लकिन यह सब बातें साइडसीन (Sight Seeing) अर्थात् रास्त क नज़ार हैं। मंजिल नहीं ह इनको पार करना ह, न कि मंजिल समझकर यहाँ ही रूक जाना ह लकिन कई बच्च इसको ही अपनी ही मंजिल अर्थात् मा पार्ट ही यह ह, वा तकदीर ही यह ह, ऐस रास्त क नज़ार को ही मंजिल समझ वास्तविक मंजिल स दूर हो जात हैं। लकिन ऊँची मंजिल पर पहुँचन स पहल आँधी तूफान लगत हैं, स्टीमर (Steamer;जहाज) को उस पर जान क लिए बीच भँवर में क्रास (Cross;पार) करना ही पड़ता ह इसलिए जल्दी में घबराओ मत, थको मत, रूको मत। भगवान को साथ बनाओ तो हर मुश्किल सहज हो जाएगी। हिम्मतवान बनो तो मदद मिल ही जाय ी। सी फादर (See Father) करो। फॉलो फादर (Follow Father) करो तो सदा सहज उमंग उल्लास जीवन में अनुभव करेंग रास्त चलत कोई व्यक्ति वा व व को आधार नहीं बनाओ। जो आधार ही स्वयं विनाशी ह, वह अविनाशी प्राप्ति क्या करा सकता। 'एक बल एक भरोसा' इस पाठ को सदा पक्का रखो, तो बीच भँवर स सहज निकल जायेंग और मंजिल को सदा समीप अनुभव करेंग

सुना, यह थी पुरूषार्थियों की रिजल्ट (परिणाम)। मज॒ारिटी (Majority;अधिकतर) बीच भँवर में उलझ रह॒हैं, ल॒किन बाप कहत॒हैं यह सब बातें अपन॒मंजिल में आग॒बढ़न॒की गुड साइन (Good Signs;शुभ चिन्ह) समझो। जश्न॒विनाश को 'गुड साइन' कल्याणकारी कहत॒हो, यह परीक्षाएं भी परिपक्व करन॒का आधार ह॥ मार्ग क्रास कर आग॒बढ़ रह॒हैं - यह निशानियां हैं। इस सब बातों को दख॒त॒हुए घबराओ मत। सदा यही एक संकल्प रखो कि अब मंजिल पर पहुँच॒कि पहुँच॥ समझा? जश्न॒बिजली की हलचल पसन्द नहीं आती, एक रस स्थिति पसन्द आती ह॒ऐस॒बाप को भी बच्चों की एकरस स्थिति पसन्द आती ह॒- यह प्रकृति खत्म करती ह॒ल॒किन ऐसा खत्म नहीं करना - सदा अचल, अटल, अड़ोल रहना।

ऐस॒मास्टर नॉलज॒फुल, सदा सक्सस॒फुल (Successful;सफलतामूर्त) सदा हर्षित रहन॒वाल॒माया क॒ सर्व आकर्षण स॒पर॒रहन॒वाल॒मंजिल क॒ समीप पहुँची हुई आत्माओं को बाप-दादा का याद प्यार और नमस्त॥

मत्ता सत्ताधारी ग्रुप:-

कितना भविष्य जमा किया? सत्ता का मत्ता मिलता ही ह॒अर्थात् जो करत॒हैं उसका पदमगुणा ज्यादा जमा हो जाता ह॥ जश्न॒एक बीज डाला तो फल कितन॒निकलत॒एक तो नहीं निकलता? बीज एक डाल॒फल हर सीजन (Season;मौसम) में मिलता रहता। यह भी सत्ता का मत्ता पदम गुणा जमा हो जाता ह॒और हर जन्म में मिलता रहता । मन्सा-वाचा-कर्मणा तीनों

प्रकार की सेवा हरेक ने की? वाणी और कर्म की सेवा के साथ-साथ मन्सा शुभ संकल्प वा श्रेष्ठ वृत्ति द्वारा भी बहुत सेवा कर सकते हो। अगर तीनों सेवाएं साथ-साथ नहीं तो फल इतना फलीभूत नहीं होगा। वर्तमान समय प्रमाण तीनों साथ-साथ होनी चाहिए - अलग-अलग नहीं। वाणी में भी शक्ति तब आती जब मन्सा शक्तिशाली हो। नहीं तो बोलने वाले पंडित समान हो जाते। पंडित लोग कथा कितनी बढ़िया करते, लेकिन पंडित क्यों कहते, क्योंकि तोते मुआफ़िक पढ़कर रिपीट (Repeat;दोहराते) करते हैं। ज्ञानी अर्थात् समझदार, समझ कर सर्विस करने से सफलता होगी। समझदार बच्चे तीनों प्रकार की सेवा साथ-साथ करेंगे। चित्र कानसेस (Conscious;चित्रों की ओर ध्यान) नहीं लेकिन बाप कानसेस (बाप की ओर ध्यान) हो तो तीनों ही सेवा साथ में हो जाएगी।

ड्यूटी (Duty;कर्त्तव्य) समझकर अगर सेवा करेंगे तो आत्माओं को आत्मिक स्मृति नहीं आएगी। वह भी एक सुनने की ड्यूटी समझ चले जाएंगे। अगर रहम दिल बन कल्याण की भावना रखकर सर्विस करते तो आत्माएं जाग्रत हो जातीं। उन्हों को भी अपने प्रति रहम आता है कि हम कुछ करें। बाप तो बच्चों को सदैव आगे बढ़ने का ईशारा देंगे। बाकी जितना किया वह ड्रामानुसार बहुत अच्छा मेहनत किया, समय दिया उससे वर्तमान भी हुआ और भविष्य भी जमा हुआ। अच्छा।

==========

QUIZ QUESTIONS

==========

प्रश्न 1 :- बापदादा को नय□और पुरान□दोनों तरह क□ पुरुषार्थी बच्चों की रफ़्तार को द□खकर स्नह क्यों आता ह□?

प्रश्न 2 :- माया क□ वार का सामना करन□क□ लिय□किन दो बातों की कमी हो जाती ह□?

प्रश्न 3 :- बाप क□ सिखान□क□ बाद भी बच्च□कौन सी छोटी गलती कर द□□□ हैं?

प्रश्न 4 :- बीच भँवर स□सहज निकलन□क□ लिय□कौन सा पाठ पक्का करना ह□?

प्रश्न 5 :- आत्माओं को जागृत करन□क□ लिय□किस प्रकार की सव□ा करनी चाहिय□?

FILL IN THE BLANKS:-

{ फलीभूत, प्रकृति, क्रॉस, शुभ संकल्प, तोत□एक रस स्थिति, श्र□ठ वृति, स्टीमर, पदमगुणा, रिपीट, ख□□, जमा, ऊँची मंजिल, मव□ा, कथा }

1 सेवा का _____ मिलता ही है अर्थात जो करते हैं उसका _______ ज्यादा _____ हो जाता है।

2 वाणी और कर्म की सेवा के साथ मनसा ______ वा _______ द्वारा भी बहुत सेवा कर सकते हो। अगर तीनो सेवाएं साथ-साथ नहीं तो फल इतना ______ नहीं होगा।

3 पण्डित लोग _____ कितनी बढ़िया करते, लेकिन पण्डित क्यों कहते? क्योंकि _____ मुआफिक पढ़कर ______ करते हैं।

4 बाप को भी बच्चों की _______ पसन्द आती है, यह ______ खुश करती है लेकिन ऐसा _____ नहीं करना - सदा अचल, अटल, अडोल रहना।

5 _______ पर पहुँचने से पहले आँधी तूफान लगते हैं, ______ को उस पर जाने के लिए बीच भँवर में ______ करना ही पड़ता है।

सही गलत वाक्यो को चिन्हित करे:-

1 :- समझदार बच्चे तीनों प्रकार की सेवा साथ-साथ करेंगे।

2 :- इन्वेंशन भी बहुत नई-नई करते हैं, क्योंकि बैकबोन बाबा हैं।

3 :- बीज एक डाले परन्तु फल हर सीजन में मिलता रहता है।

4 :- वर्तमान समय प्रमाण मनसा सत्ता होनी चाहिय॥

5 :- सी फादर, फॉलो फादर करो तो सदा सहज उमंग उल्लास जीवन में अनुभव करेंग॥

==========

QUIZ ANSWERS

==========

प्रश्न 1 :- बापदादा को नय॰और पुरान॰दोनों तरह क॰ पुरुषार्थी बच्चों की रफ़्तार को दख॰कर स्नह क्यों आता ह॰?

उत्तर 1 :- बापदादा को नय॰और पुरान॰दोनों तरह क॰ बच्चों को दख॰कर बहुत स्नह आ रहा था क्योंकि :-

❶ छोट॰बड़॰परिचय मिलत॰अपनी यथा शक्ति प्राप्ति क॰ आधार पर पास्ट लाइफ और वर्तमान ब्राह्मण लाइफ, दोनों में महान अंतर अनुभव करत॰ भटकत॰हुए का सहारा दिखाई दत॰॰हुए, निश्चय बुद्धि बन, एक दो क॰ सहयोग स॰एक दो क॰ अनुभव क॰ आधार स॰मंजिल की ओर चल पड़॰ हैं।

❷ खुशी, शक्ति, शांति, वा सुख की अनुभूति में कोई लोक लाज की परवाह नहीं कर रहें हैं।

❸ उनक अलौकिक जीवन का अनुभव उन्हें हर कदम आग बढ़ाता जा रहा ह।

❹ प्राप्ति क आग कुछ छोड़ रहें हैं. कुछ त्याग कर रहें हैं. उन्हें कोई सुध बुध नहीं रहती।

❺ बाप मिला सबकुछ मिला, उस खुमारी वा नश में त्याग भी त्याग नहीं लग रहा. याद और सवा में तन-मन-धन स लग गय हैं।

❻ पहला नशा, पहली खुशी, पहला उमंग उत्साह, 'न्यारा और अति प्यारा' अनुभव किया। मास्टर सर्वशक्तिवान की स्थिति का पहला जोश जिसम कोई होश नही, पुरानी दुनिया का सबकुछ तुच्छ अनुभव हुआ, असार अनुभव हुआ।

❼ ऐसी हरक की पहली स्टज दखत हुए बापदादा को सभी बच्चों पर बहुत स्नह आ रहा था।

प्रश्न 2 :- माया क वार का सामना करन क लिय किन दो बातों की कमी हो जाती ह?

उत्तर 2 :- माया क वार को सामना करन क लिय इन दो शक्तियों की कमी हो जाती :-

❶ एक सामना करन की शक्ति की कमी हो जाती।

❷ दूसरा परखन□और निर्णय करन□की शक्ति की कमी हो जाती।

❸ इन कमियों क□ कारण माया क□ अनक□ प्रकार क□ वार स□कब हार, कब जीत होन□स□ कब जोश कब होश में आ जात□

❹ सामना करन□की शक्ति न होन□क□ कारण बाप को सदा साथी बनाना नहीं आता।

प्रश्न 3 :- बाप क□ सिखान□क□ बाद भी बच्च□कौन सी छोटी गलती कर दत□ हैं?

उत्तर 3 :- बाबा क□ सिखान□क□ बाद भी कई बच्च□यह छोटी सी गलती कर दत□ हैं :-

❶ कई बच्च□श्रीमत में मनमत मिक्स कर दत□ हैं।

❷ कई बच्च□आलस्य और अलबत□न की गलती कर दत□ हैं।

❸ कई बच्च□माया क□ आकर्षण स□आकर्षित हो जात□ हैं. इसलिय□ उनम□पहल□ज□ा उमंग और उत्साह नहीं रहता।

❹ कई बच्च□चलत□चलत□मायाजीत बनन□की सम्पूर्ण शक्ति न होन□ क□ कारण पुरुषार्थ हीन हो जात□ हैं।

❺ कई बच्च□व्यर्थ संकल्पों में उलझ जात□ हैं।

❻ कई बच्चे सोचते हैं. मेरी तकदीर में ही नहीं है, मेरा पार्ट ही ऐसा है।

इस तरह कई बच्चे यह छोटी छोटी गलतियां कर देते हैं।

प्रश्न 4 :- बीच भँवर से सहज निकलने के लिये कौन सा पाठ पक्का करना है ?

उत्तर 4 :- बीच भँवर से सहज निकलने के लिये "एक बल एक भरोसा" पाठ पक्का करना है। इसके लिये :-

❶ कोई भी समस्या आने पर घबराना नहीं है, थकना नहीं है और न ही रुकना है।

❷ भगवान को साथी बनाने से हर मुश्किल सहज हो जाती है।

❸ हिम्मतवान बनो तो भगवान की मदद जरूर मिलती है।

❹ एक बाबा की याद होगी तो मंजिल को सदा समीप अनुभव करेंगे।

प्रश्न 5 :- आत्माओं को जागृत करने के लिये किस प्रकार की सेवा करनी चाहिये ?

उत्तर 5 :- आत्माओं को जागृत करन□क□ लिय□रहम दिल की भावना रखनी ह□।

❶ रहमदिल बन कल्याण की भावना रखकर सव□ा करत□हैं तो आत्माऐं जागृत हो जाती हैं।

❷ उन्हों को भी अपन□प्रति रहम आता ह□कि हम कुछ करें।

❸ अगर ड्यूटी समझ कर सव□ा करेंग□तो आत्माओं को आत्मिक स्मृति नहीं आयश्ी। वह भी ड्यूटी समझ चल□जायश्ा□।

FILL IN THE BLANKS:-

{ फलीभूत, प्रकृति, क्रॉस, शुभ संकल्प, तोत□एक रस स्थिति, श्रष्ठ वृति, स्टीमर, पदमगुणा, रिपीट, खत्म, जमा, ऊँची मंजिल, मव□ा, कथा }

1 सव□ा का _____ मिलता ही ह□अर्थात जो करत□हैं उसका _____ ज्यादा _____ हो जाता ह□।

मव□ा / पदमगुणा / जमा

2 वाणी और कर्म की सेवा के साथ मनसा ________ वा ________ द्वारा भी बहुत सेवा कर सकते हो। अगर तीनों सेवाएं साथ-साथ नहीं तो फल इतना _______ नहीं होगा।

शुभ संकल्प / श्रेष्ठ वृति / फलीभूत

3 पण्डित लोग ______ कितनी बढ़िया करते, लेकिन पण्डित क्यों कहते? क्योंकि _______ मुआफिक पढ़कर _______ करते हैं।

कथा / तोते / रिपीट

4 बाप को भी बच्चों की ________ पसन्द आती है, यह ________ खेल करती है लेकिन ऐसा _______ नहीं करना - सदा अचल, अटल, अडोल रहना।

एकरस स्थिति / प्रकृति / खेल

5 ________ पर पहुँचने से पहले आँधी तूफान लगते हैं, _________ को उस पर जाने के लिये बीच भँवर में _______ करना ही पड़ता है।

ऊँची मंजिल/ स्टीमर / क्रॉस

सही गलत वाक्यो को चिन्हित कर- 【✔】 【✖】

1 :- समझदार बच्च तीनों प्रकार की सत्ता साथ-साथ करेंग। 【✔】

2 :- इन्वेंशन भी बहुत नई-नई करत हैं, क्योंकि बक्कबोन बाबा होत हैं। 【✖】

इन्वेंशन भी बहुत नई-नई करत हैं, क्योंकि बक्कबोन माया होती ह।

3 :- बीज एक डाल परन्तु फल हर सीजन में मिलता ह। 【✔】

4 :- वर्तमान समय प्रमाण मनसा सत्ता होनी चाहिय। 【✖】

वर्तमान समय प्रमाण तीनों सत्ताय साथ-साथ होनी चाहिय।

5 :- सी फादर, फॉलो फादर करो तो सदा सहज उमंग उल्लास जीवन में अनुभव करेंग। 【✔】